सैनिक स्कूल गोपालगंज

गृहकार्य

कक्षा-X विषय-हिंदी कोर्स 'अ' सत्र-2020-21

पाठ-पद (काव्य)

1. निम्नलिखित प्रश्नों का सही उत्तर विकल्पों से चुनकर लिखिए :-

i) 'पद' लिया गया है ?

क) विनयपत्रिका ख) कामायनी ग) साहित्य लहरी घ) भ्रमरगीतसार

ii) सूरदास का जन्म हुआ था ?

क) 1476 ई० ख) 1477 ई० ग) 1478 ई० घ) 1478 ई०

iii) सूरदास के गुरु का नाम है ?

क) रामानुजाचार्य ख) शंकराचार्य ग) गिलगिट घ) बल्लभाचार्य

iv) सुरदास ने 'पद' को किस भाषा में लिखा है ? l

क) खड़ी बोली ख) ब्रज ग) अवधि घ) फारसी

v) 'बड़भागी' का अर्थ है ?

क) तेज भागनेवाला ख) भाग्यहीन ग) भाग्यशाली घ) सभी सही

vi) "अपरस रहत सनेह तागा ते नाहिन मन अनुरागी l"-वक्ता कौन है ?

क) कृष्ण ख) उद्धव ग) गोपियाँ घ) यशोदा

vii) 'पुरईन' का अर्थ है ?

क) पुराना ख) कमल ग) कमाल घ) पन्द्रह दिन

viii) 'गुर चाटी ज्यों पागी l'- में कौन सा भाव व्यक्त हुआ है ?

क) विरह ख) प्रेम ग) क्रोध घ) सभी गलत

ix) यह कविता किस युग की है ?

क) वीरगाथा काल ख) भक्तिकाल ग) रीति काल घ) आधुनिक काल

x) "<u>अवधि</u> आधार आवन की तन-मन बिथा सही l"- रेखांकित शब्द का अर्थ है ?

क) समय ख) राज्य ग) भाषा घ) आधा

2. निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर संक्षेप में लिखिए :-

i) गोपियों द्वारा उद्धव को भाग्यवान कहने में क्या व्यंग्य निहित है ?

ii) उद्धव के व्यवहार की तुलना किस-किस से की गति है ?

iii) उद्धव द्वारा दिए गए योग के सन्देश ने गोपियों की विरहाग्नि में घी का काम कैसे किया ?

iv) मरजादा न लही के द्वारा गोपियाँ क्या कहना चाहती है ?

v) कृष्ण के प्रति अपने अनन्य प्रेम को गोपियों ने किस प्रकार अभिव्यक्त किया ?

3. निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए :-

i) 'मरजादा न लही'- के माध्यम से गोपियाँ किस मर्यादा की बात कर रही है ?

ii) 'मन की मन ही मांझ रही'- में गोपियों द्वारा किस जीवन सत्य का बोध होता है ?

iii) 'हमारे हरि हरिल की लकड़ी l'-को पढ़कर आपको किस जीवन सत्य का बोध होता है ?

iv) 'हरि हैं राजनीति पढ़ी आए l'-आशय स्पष्ट कीजिए l

v) सूरदास के पदों के आधार पर गोपियों की मनोदशा पर प्रकाश डालिए

4. सूरदास द्वारा रचित पदों के आधार पर भ्रमरगीतसार की मुख्य विशेषताएँ बताइए ।

5. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों का उत्तर लिखिए :-

उधौ तुम हो अतिबड़भागी ।
अपरस रहत सनेह तागा ते नहिन मन अनुरागी ।
पुरईन रहत जल भीतर ता रस देह न दागी ।
ज्यों जल माह तेल की गागरि बूंद न ताकौ लागी ।
प्रीती नदी में पाँव न बोरयो दृष्टि न रूप पारगी ।
सूरदास अबला हम भोरी गुर चांटी ज्यों पागी ।

i) गोपियाँ किसे भाग्यवान बता रही है ?

ii) प्रस्तुत काव्यांश में उद्धव के व्यवहार की तुलना किस-किस से की गई है और क्यों ?

iii) गोपियों ने अपने मन की तुलना किस प्रकार की है ?

(समाप्त)